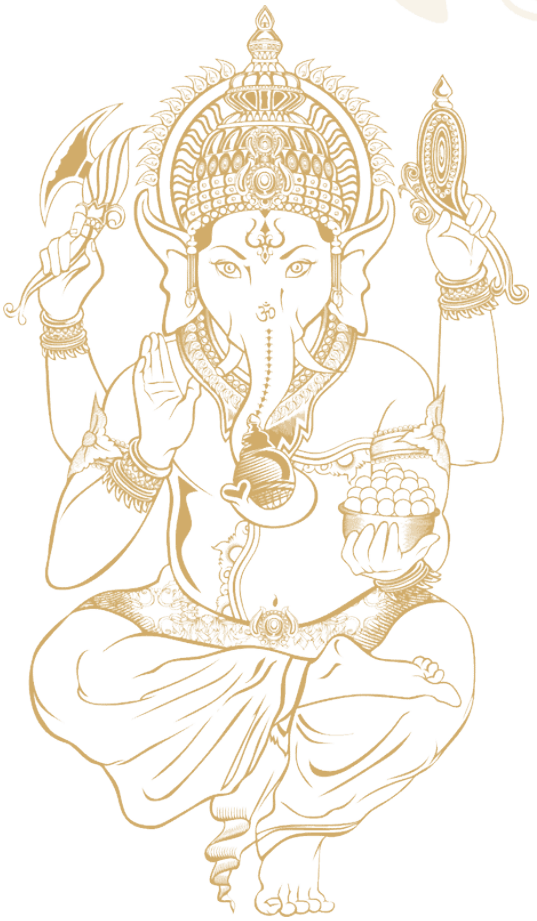

Mr. Narmada

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121576302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/03/2001	जन्म तिथि	03/09/2003
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 06:55:00	जन्म समय	13:00:00 घंटे
घटी 00:35:46	जन्म समय(घटी)	17:06:42 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Ujjain
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:41	सूर्योदय	06:09:19
18:33:34	सूर्यास्त	18:42:37
23:52:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:17

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 4मा 6दि	29:16:52	कुंभ	लग्न	वृश्चि	17:54:07	शनि 4वर्ष 2मा 7दि
राहु	25:40:02	कुंभ	सूर्य	सिंह	16:29:51	केतु
16/07/2022	00:19:56	कन्या	चंद्र	वृश्चि	13:43:43	09/11/2024
16/07/2040	17:38:26	वृश्चि	मंगल व	कुंभ	09:39:28	10/11/2031
राहु 28/03/2025	28:14:28	मक	बुध व	कन्या	00:45:45	केतु 08/04/2025
गुरु 22/08/2027	10:21:39	वृष	गुरु	सिंह	07:35:59	शुक्र 08/06/2026
शनि 28/06/2030	23:50:21	मीन व	शुक्र	सिंह	20:45:33	सूर्य 14/10/2026
बुध 14/01/2033	01:56:27	वृष	शनि	मिथु	16:54:47	चन्द्र 15/05/2027
केतु 02/02/2034	19:17:06	मिथु व	राहु	मेष	29:31:05	मंगल 11/10/2027
शुक्र 01/02/2037	19:17:06	धनु व	केतु	तुला	29:31:05	राहु 28/10/2028
सूर्य 27/12/2037	28:33:28	मक	हर्ष व	कुंभ	06:32:33	गुरु 04/10/2029
चन्द्र 28/06/2039	13:54:27	मक	नेप व	मक	17:07:03	शनि 13/11/2030
मंगल 16/07/2040	21:23:31	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:20:17	बुध 10/11/2031

लग्न-चलित

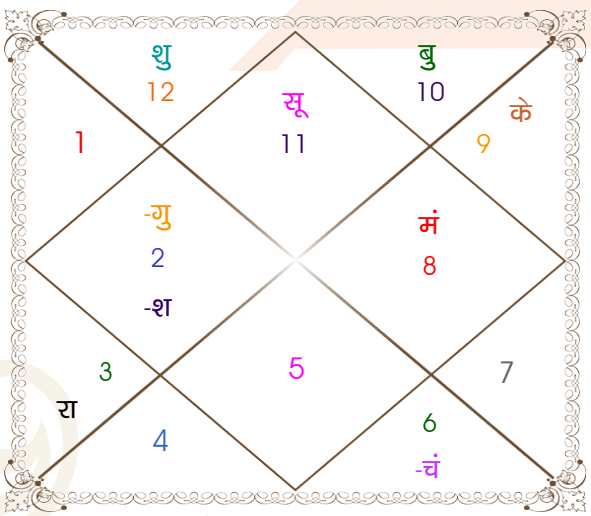

लग्न-चलित

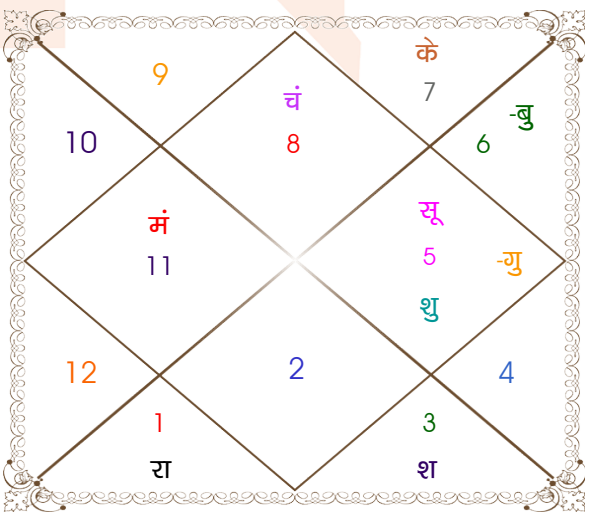

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा छंतउंकं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और छंतउंकं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

छंतउंकं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा छंतउंकं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।